

विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुखी होता है। -अज्ञात

डेटा सुरक्षा: सावधानी को अपना कवच बनाएं!

आ

प किसी रेस्टरों में जाते हैं, बैठते ही या फिर भूगतान करते समय आपसे मोबाइल नम्बर पछा जाता है, और आप सहज भाव से बता देते हैं। आप किसी स्टोर में जाते हैं, कुछ खरीददारी करते हैं। जब बिलिंग काउंटर पर जाते हैं तो आपसे आपका मोबाइल नम्बर पूछा जाता है। कुछ लोग तुरंत बढ़ते हैं। कुछ न-कुरकर करते हैं। इस पर बिलिंग करने वाला कहता है कि आप जो मोबाइल नम्बर देते हैं। कुछ न-कुरकर करते हैं। इस पर बिलिंग करने वाला कहता है कि आप हैं जो यह कहें कि स्टोर वाला उन्हें बिल दे न दे, वे मोबाइल नम्बर नहीं देंगे।

आप किसी वेबसाइट पर जाते हैं और उसकी किसी सुविधा का उपयोग करना चाहते हैं। आपसे कुछ अनुमतियां मार्गी जाती हैं, और आप बौरे पढ़े खटाखट सारी अनुमतियां दे देते हैं।

आप गुणल प्लॉट स्टोर का एप डाउनलोड करके जब अपने मोबाइल में उसे इंस्टॉल करते हैं, तो आपसे कुछ अनुमतियां ली जाती हैं। क्या आपने कभी यह पढ़ने का कष्ट किया है कि वे अनुमतियां किस बातों की हैं? क्या आपने कभी प्रयत्न भी करके देखा है कि आप आप वे अनुमतियां नहीं दें तो क्या होगा?

आप किसी वेबसाइट पर जाते हैं और आपसे अनुमति ली जाती है कि वह वेबसाइट कुछ कुकूर की प्रोग्राम करना चाहती है। कुछ विकल्प भी होते हैं। आप जानते हैं कि कुकूर क्या होता है और आपका कुकूर करने वाला कहता है कि आप हैं जो यह कहें कि स्टोर वाला उन्हें बिल दे न दे, वे मोबाइल नम्बर नहीं देंगे।

आप गुणल प्लॉट स्टोर का एप डाउनलोड करके जब अपने मोबाइल में उसे इंस्टॉल करते हैं, तो आपसे कुछ अनुमतियां ली जाती हैं। आप आपने कभी यह पढ़ने का कष्ट किया है कि वे अनुमतियां किस बातों की हैं? क्या आपने कभी प्रयत्न भी करके देखा है कि आप आप वे अनुमतियां नहीं दें तो क्या होगा?

आप किसी वेबसाइट पर जाते हैं और आपसे अनुमति ली जाती है कि वह वेबसाइट कुछ कुकूर की प्रोग्राम करना चाहती है। कुछ विकल्प भी होते हैं। आप जानते हैं कि कुकूर क्या होता है और किस तरह की अनुमति नहीं देना चाहिए?

ऐसी बहुत सारी बातें हैं। इन सबका बहुत यह है कि हम अपनी साइबर सुरक्षा के प्रति, अपने निजी डेटा की रक्की के प्रति बहुत कम सजग हैं।

सन् 2024 के अंकड़ों के अनुसार भारत में इंटरनेट के असरी कोरड से अधिक उपयोगकर्ता हैं। और यह संख्या लगातार तथा बहुत ज्यादा से बढ़ती जा रही है। स्टॉट फ्लॉन सुलभ है, इंटरनेट सस्ता है, ध्वनि अपने लेने-देने में यूनिवर्सल की चलन खुल बढ़ा है। उसके असारों भी बहुत हो गई है। पहले की तुलना में ऐसी योग्यता को रखने लगे हैं। जियादा पड़ाउस्ट है वे अपना बहुत सारा काम कंप्यूटर पर करते हैं और इंटरनेट उनकी जिंदगी की अभिन्न अंग बन चुका है। ई-कॉर्मर बढ़ता जा रहा है। हम बाजार जाकर खरीददारी करने की बजाय किसी ई-कॉर्मर साइट (जैसे अमेज़न, पिट्टस्कार्ट आदि) पर जाकर अपनी जरूरत का सामान मंगवाना अधिक सुविधाजनक मानते हैं। खाने-पीने के शैक्षीक अपने शैक्षीक के लिए या खाना-मंगवानी लोग अपनी व्यवस्था का लिये देते हैं। स्थानीय परिवर्तन के लिए उबर-ओला-पैपीडी जैसे सेवा प्रदाताओं की मदद से घर पर खाना मंगवाना सुविधाजनक मानते लगे हैं। स्थानीय परिवर्तन के लिए उबर-ओला-पैपीडी के लिए जियादा जियादा उपयोग आप चाहता है। शौकिया रूप से भी विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करने वाली की संख्या बहुत बड़ी है। इधर अनेक कारणों से बॉल्स-एप हमारी जिंदगी का अभिन्न अंग बन चुका है। भले ही निजी रूप से मुझे वह पसंद नहीं है, मेरा काम भी उसके बौरे नहीं चलता है, मुझे भी सका उपयोग करना ही पड़ता है।

मोबाइल, कंप्यूटर-इंटरनेट के लिए बढ़ते जा रहे हैं उपयोग के दैरान हम अपनी बहुत सारी जानकारियां साझा करते हैं, जैसे मोबाइल नम्बर, नाम, जन्म तिथि, पता, तब्दी वर्गहै। यह सब करते हैं और अपना बहुत सारा निजी डेटा न केवल साक्षात् करते हैं, उसके उपरांत भी वैराग्य के लिए और अपनी चोरों को अंत्रिक करते हैं कि आओ, हमारे यहां चारी कर लो। यह काम के अधिकारी नहीं है और चोर-लुटेरे उसे खाने भी चाहिए। इधर अनेक कारणों से बॉल्स-एप हमारी जिंदगी का अभिन्न अंग बन चुका है। भले ही निजी रूप से मुझे वह पसंद नहीं है, मेरा काम भी उसके बौरे नहीं चलता है, मुझे भी सका उपयोग करना ही पड़ता है।

याद किया जा सकता है कि सन् 2023 में कई निजी और सरकारी डेटाबेसों पर साइबर अटैक किए गए थे। फिरिंग के रूप में फर्जी ईमेल या नियोजन भेज कर उपयोगकर्ताओं की निजी जानकारियां प्राप्त कर उन्हें नुकसान पहुंचाने की वारताएं होती ही रहती हैं। विभिन्न क्षमताओं का साथ सारी अनुमतियां और संगठनों के शिथिल सुरक्षा प्रबंधों के कारण बहुत सारा मूल्यवान डेटा अपाराधियों के पास पहुंच जाता है जिसका वे मनमाना उपयोग, बल्कि दुरुपयोग करके हमें क्षति पहुंचाते हैं।

याद किया जा सकता है कि सन् 2023 में कई निजी और सरकारी डेटाबेसों पर साइबर अटैक किए गए थे। फिरिंग के रूप में फर्जी ईमेल या नियोजन भेज कर उपयोगकर्ताओं की निजी जानकारियां प्राप्त कर उन्हें नुकसान पहुंचाने की वारताएं होती ही रहती हैं। विभिन्न क्षमताओं का साथ सारी अनुमतियां और संगठनों के शिथिल सुरक्षा प्रबंधों के कारण बहुत सारा मूल्यवान डेटा अपाराधियों के पास पहुंच जाता है जिसका वे मनमाना उपयोग, को गंभीरता से लिया जाने लगा। इसके बाद आता है उसके प्रोप्रिएटरों द्वारा उपयोग के साथ सुनाना प्रोप्रिएटरों में फर्जी ईमेल या नियोजन भेज कर उपयोगकर्ताओं की निजी जानकारियां प्राप्त कर उन्हें नुकसान पहुंचाने की वारताएं होती ही रहती हैं। विभिन्न क्षमताओं का साथ सारी अनुमतियां और संगठनों के शिथिल सुरक्षा प्रबंधों के कारण बहुत सारा मूल्यवान डेटा अपाराधियों के पास पहुंच जाता है जिसका वे मनमाना उपयोग, को गंभीरता से लिया जाने लगा। इसके बाद आता है उसके प्रोप्रिएटरों द्वारा उपयोग के साथ सुनाना प्रोप्रिएटरों में फर्जी ईमेल या नियोजन भेज कर उपयोगकर्ताओं की निजी जानकारियां प्राप्त कर उन्हें नुकसान पहुंचाने की वारताएं होती ही रहती हैं। विभिन्न क्षमताओं का साथ सारी अनुमतियां और संगठनों के शिथिल सुरक्षा प्रबंधों के कारण बहुत सारा मूल्यवान डेटा अपाराधियों के पास पहुंच जाता है जिसका वे मनमाना उपयोग, को गंभीरता से लिया जाने लगा। इसके बाद आता है उसके प्रोप्रिएटरों द्वारा उपयोग के साथ सुनाना प्रोप्रिएटरों में फर्जी ईमेल या नियोजन भेज कर उपयोगकर्ताओं की निजी जानकारियां प्राप्त कर उन्हें नुकसान पहुंचाने की वारताएं होती ही रहती हैं। विभिन्न क्षमताओं का साथ सारी अनुमतियां और संगठनों के शिथिल सुरक्षा प्रबंधों के कारण बहुत सारा मूल्यवान डेटा अपाराधियों के पास पहुंच जाता है जिसका वे मनमाना उपयोग, को गंभीरता से लिया जाने लगा। इसके बाद आता है उसके प्रोप्रिएटरों द्वारा उपयोग के साथ सुनाना प्रोप्रिएटरों में फर्जी ईमेल या नियोजन भेज कर उपयोगकर्ताओं की निजी जानकारियां प्राप्त कर उन्हें नुकसान पहुंचाने की वारताएं होती ही रहती हैं। विभिन्न क्षमताओं का साथ सारी अनुमतियां और संगठनों के शिथिल सुरक्षा प्रबंधों के कारण बहुत सारा मूल्यवान डेटा अपाराधियों के पास पहुंच जाता है जिसका वे मनमाना उपयोग, को गंभीरता से लिया जाने लगा। इसके बाद आता है उसके प्रोप्रिएटरों द्वारा उपयोग के साथ सुनाना प्रोप्रिएटरों में फर्जी ईमेल या नियोजन भेज कर उपयोगकर्ताओं की निजी जानकारियां प्राप्त कर उन्हें नुकसान पहुंचाने की वारताएं होती ही रहती हैं। विभिन्न क्षमताओं का साथ सारी अनुमतियां और संगठनों के शिथिल सुरक्षा प्रबंधों के कारण बहुत सारा मूल्यवान डेटा अपाराधियों के पास पहुंच जाता है जिसका वे मनमाना उपयोग, को गंभीरता से लिया जाने लगा। इसके बाद आता है उसके प्रोप्रिएटरों द्वारा उपयोग के साथ सुनाना प्रोप्रिएटरों में फर्जी ईमेल या नियोजन भेज कर उपयोगकर्ताओं की निजी जानकारियां प्राप्त कर उन्हें नुकसान पहुंचाने की वारताएं होती ही रहती हैं। विभिन्न क्षमताओं का साथ सारी अनुमतियां और संगठनों के शिथिल सुरक्षा प्रबंधों के कारण बहुत सारा मूल्यवान डेटा अपाराधियों के पास पहुंच जाता है जिसका वे मनमाना उपयोग, को गंभीरता से लिया जाने लगा। इसके बाद आता है उसके प्रोप्रिएटरों द्वारा उपयोग के साथ सुनाना प्रोप्रिएटरों में फर्जी ईमेल या नियोजन भेज कर उपयोगकर्ताओं की निजी जानकारियां प्राप्त कर उन्हें नुकसान पहुंचाने की वारताएं होती ही रहती हैं। विभिन्न क्षमताओं का साथ सारी अनुमतियां और संगठनों के शिथिल सुरक्षा प्रबंधों के कारण बहुत सारा मूल्यवान डेटा अपाराधियों के पास पहुंच जाता है जिसका वे मनमाना उपयोग, को गंभीरता से लिया जाने लगा। इसके बाद आता है उसके प्रोप्रिएटरों द्वारा उपयोग के साथ सुनाना प्रोप्रिएटरों में फर्जी ईमेल या नियोजन भेज कर उपयोगकर्ताओं की निजी जानकारियां प्राप्त कर उन्हें नुकसान पहुंचाने की वारताएं होती ही रहती हैं। विभिन्न क्षमताओं का साथ सारी अनुमतियां और संगठनों के शिथिल सुरक्षा प्रबंधों के कारण बहुत सारा मूल्यवान डेटा अपाराधियों के पास पहुंच जाता है जिसका वे मनमाना उपयोग, को गंभीरता से लिया जाने लगा। इसके बाद आता है उसके प्रोप्रिएटरों द्वारा उपयोग के साथ सुनाना प्रोप्रिएटरों म